SuccessCDs

पाठ–2 कक्षा–9

दुःख का अधिकार

लेखक यशपाल

www.BANDICAM.com

पाठ का सार.....

- दुख का अधिकार' पाठ के माध्यम से लेखक यशपाल जी ने समाज में उपस्थित अंधविश्वासों पर प्रहार किया है। लोगों की गरीबों के प्रति मानसिकता को भी उन्होंने इस कहानी के माध्यम से दर्शाया है। किसी भी भू-भाग में चले जाएँ अमीरी और गरीबी का अंतर आपको स्पष्ट रूप से दिख जाएगा। परंतु इस आधार पर किसी के साथ अमानवीय व्यवहार करना हमें नहीं सुहाता। लेखक पाठ के माध्यम से एक वृद्ध स्त्री के दुख का वर्णन करता है। उस वृद्ध स्त्री का एक ही बेटा था। उसकी अकाल मृत्यु हो जाती है। घर की सारी ज़िम्मेदारी वृद्ध स्त्री पर आ जाती है। धन के अभाव में बेटे की मृत्यु के अगले दिन ही वृद्धा को बाज़ार में खरबूज़े बेचने आना पड़ता है।

पाठ का सार.....

- ✓ आस-पास के लोग उसकी मजबूरी को अनदेखा करते हुए, उस वृद्धा को बहुत भला-बुरा बोलते हैं। लेखक समाज को यही संदेश देना चाहते हैं कि गरीबों की मजबूरी को कभी अनदेखा नहीं करना चाहिए। यह सत्य है कि दुख समान रूप से सबके जीवन में आता है। सभी अपनों के जाने का दुख मनाना चाहते हैं पर अपनी आर्थिक स्थिति के कारण मना नहीं पाते। भारत जैसे देश में बहुत से लोग हैं, जिन्हें यह समाज दुख मनाने का अधिकार भी नहीं देता है। यह हमारे लिए विडंबना की बात है।

मनुष्यों की पोशाकें उन्हें विभिन्न श्रेणियों में बाँट देती हैं। प्रायः पोशाक ही समाज में मनुष्य का अधिकार और उसका दर्जा निश्चित करती है। वह हमारे लिए अनेक बंद दरवाजे खोल देती है, परंतु कभी ऐसी भी परिस्थिति आ जाती है कि हम जरा नीचे झुककर समाज की निचली श्रेणियों की अनुभूति को समझना चाहते हैं। उस समय यह पोशाक ही बंधन और अड़चन बन जाती है। जैसे वायु की लहरें कटी हुई पतंग को सहसा भूमि पर नहीं गिर जाने देतीं, उसी तरह खास परिस्थितियों में हमारी पोशाक हमें झुक सकने से रोके रहती है । बाज़ार में, फुटपाथ पर कुछ ख़रबूज़े डलिया में और कुछ जमीन पर बिक्री के लिए रखे जान पड़ते थे। ख़रबूज़ों के समीप एक अधेड़ उम्र की औरत बैठी रो रही थी। ख़रबूज़े बिक्री के लिए थे, परंतु उन्हें खरीदने के लिए कोई कैसे आगे बढ़ता? ख़रबूज़ों को बेचनेवाली तो कपड़े से मुँह छिपाए सिर को घुटनों पर रखे फफक-फफककर रो रही थी।

पड़ोस की दुकानों के तख़्तों पर बैठे या बाज़ार में खड़े लोग घृणा से उसी स्त्री के संबंध में बात कर रहे थे। उस स्त्री का रोना देखकर मन में एक व्यथा-सी उठी, पर उसके रोने का कारण जानने का उपाय क्या था? फुटपाथ पर उसके समीप बैठ सकने में मेरी पोशाक ही व्यवधान बन खड़ी हो गई। एक आदमी ने घृणा से एक तरफ़ थूकते हुए कहा, 'क्या जमाना है! जवान लड़के को मरे पूरा दिन नहीं बीता और यह बेहया दुकान लगा के बैठी है।'दूसरे साहब अपनी दाढ़ी खुजाते हुए कह रहे थे, 'अरे जैसी नीयत होती है अल्ला भी वैसी ही बरकत देता है।' सामने के फुटपाथ पर खड़े एक आदमी ने दियासलाई की तीली से कान खुजाते हुए कहा, 'अरे, इन लोगों का क्या है? ये कमीने लोग रोटी के टुकड़े पर जान देते हैं। इनके लिए बेटा-बेटी, ख़सम-लुगाई, धर्म -ईमान सब रोटी का टुकड़ा है।'

परचून की दुकान पर बैठे लाला जी ने कहा, 'अरे भाई, उनके लिए मरे-जिए का कोई मतलब न हो, पर दूसरे के धर्म-ईमान का तो खयाल करना चाहिए! जवान बेटे के मरने पर तेरह दिन का सूतक होता है और वह यहाँ सड़क पर बाज़ार में आकर ख़रबूज़े बेचने बैठ गई है। हजार आदमी आते-जाते हैं। कोई क्या जानता है कि इसके घर में सूतक है। कोई इसके ख़रबूज़े खा ले तो उसका ईमान- धर्म कैसे रहेगा? क्या अँधेर है!' पास-पड़ोस की दुकानों से पूछने पर पता लगा-उसका तेईस बरस का जवान लड़का था। घर में उसकी बहू और पोता-पोती हैं। लड़का शहर के पास डेढ़ बीघा भर जमीन में कछियारी करके परिवार का निर्वाह करता था। ख़रबूज़ों की डलिया बाज़ार में पहुँचाकर कभी लड़का स्वयं सौदे के पास बैठ जाता, कभी माँ बैठ जाती। लड़का परसों सुबह मुँह- अँधेरे बेलों में से पके ख़रबूज़े चुन रहा था। गीली मेड़ की तरावट में विश्राम करते हुए एक साँप पर लड़के का पैर पड़ गया। साँप ने लड़के को डस लिया।

लड़के की बुढ़िया माँ बावली होकर ओझा को बुला लाई। झाड़ना-फूँकना हुआ। नागदेव की पूजा हुई। पूजा के लिए दान-दक्षिणा चाहिए। घर में जो कुछ आटा और अनाज था, दान-दक्षिणा में उठ गया। माँ, बहू और बच्चे 'भगवाना' से लिपट-लिपटकर रोए, पर भगवाना जो एक दफ़े चुप हुआ तो फिर न बोला। सर्प के विष से उसका सब बदन काला पड़ गया था। ज़िंदा आदमी नंगा भी रह सकता है, परंतु मुर्दे को नंगा कैसे विदा किया जाए? उसके लिए तो बजाज की दुकान से नया कपड़ा लाना ही होगा, चाहे उसके लिए माँ के हाथों के छन्नी-ककना ही क्यों न बिक जाएं । भगवाना परलोक चला गया। घर में जो कुछ चूनी-भूसी थी सो उसे विदा करने में चली गई। बाप नहीं रहा तो क्या, लड़के सुबह उठते ही भूख से बिलबिलाने लगे। दादी ने उन्हें खाने के लिए ख़रबूज़े दे दिए लेकिन बहू को क्या देती? बहू का बदन बुख़ार से तवे की तरह तप रहा था। अब बेटे के बिना बुढ़िया को दुअन्नी-चवन्नी भी कौन उधार देता।

बुढ़िया रोते-रोते और आँखें पोंछते-पोंछते भगवाना के बटोरे हुए ख़रबूज़े डलिया में समेटकर बाज़ार की ओर चली-और चारा भी क्या था? बुढ़िया ख़रबूज़े बेचने का साहस करके आई थी, परंतु सिर पर चादर लपेटे, सिर को घुटनों पर टिकाए हुए फफक-फफककर रो रही थी। कल जिसका बेटा चल बसा, आज वह बाज़ार में सौदा बेचने चली है, हाय रे पत्थर-दिल! उस पुत्र-वियोगिनी के दुःख का अंदाजा लगाने के लिए पिछले साल अपने पड़ोस में पुत्र की मृत्यु से दुःखी माता की बात सोचने लगा। वह संभ्रांत महिला पुत्र की मृत्यु के बाद अढ़ाई मास तक पलंग से उठ न सकी थी। उन्हें पंद्रह-पंद्रह मिनट बाद पुत्र-वियोग से मूर्छा आ जाती थी और मूर्छा न आने की अवस्था में आँखों से आँसू न रुक सकते थे। दो-दो डॉक्टर हरदम सिरहाने बैठे रहते थे। हरदम सिर पर बर्फ़ रखी जाती थी। शहर भर के लोगों के मन उस पुत्र-शोक से द्रवित हो उठे थे। जब मन को सूझ का रास्ता नहीं मिलता तो बेचैनी से कदम तेज हो जाते हैं। उसी हालत में नाक ऊपर उठाए, राह चलतों से ठोकरें खाता मैं चला जा रहा था। सोच रहा था- शोक करने, गम मनाने के लिए भी सहूलियत चाहिए और--- दुःखी होने का भी एक अधिकार होता है।

दुःख का अधिकार

धन्यवाद

SCHOOL OF EDUCATORS

You will get Pre- Board Papers PDF, Word file, PPT, Lesson Plan, Worksheet, practical tips and Viva questions , reference books , smart content , curriculum , syllabus , marking scheme , toppers answer scripts , revised exam pattern , revised syllabus , Blue Print etc. here .**Join Your Subject WhatsApp Group.**

Kindergarten

Click to Join

Class 1

Click to Join

Class 2

Click to Join

Class 3

Click to Join

Class 4

Click to Join

Class 5

Click to Join

Class 6

Click to Join

Class 7

Click to Join

Class 8

Click to Join

Class 9

Click to Join

Class 10

Click to Join

Class 11 (Science)

Click to Join

Class 11 (Commerce)

Click to Join

Class 11 (Humanities)

Click to Join

Class 12 (Science)

Click to Join

Class 12 (Commerce)

Click to Join

Class 12 (Humanities)

Click to Join

Subject Wise Groups Secondary and Senior Secondary

Secondary Groups (IX & X)

SST

Click to Join

Mathematics

Click to Join

Science

Click to Join

English

Click to Join

Hindi

Click to Join

Information Techonology

Click to Join

Senior Secondary Groups (XI & XII)

Physics Click to Join	Chemistry Click to Join	English Click to Join	Mathematics Click to Join
Biology Click to Join	Accountancy Click to Join	Economics Click to Join	BST Click to Join
History Click to Join	Geography Click to Join	Sociology Click to Join	Hindi Elective Click to Join
Hindi Core Click to Join	Home Science Click to Join	Sanskrit Click to Join	Psychology Click to Join
Political Science Click to Join	Painting Click to Join	Vocal Music Click to Join	Comp. Science Click to Join
IP Click to Join	Physical Education Click to Join	App. Mathematics Click to Join	IIT /NEET Click to Join

Rules & Regulations of the Group

1. No introduction
2. No Good Morning/Any wish type message
3.No personal Chats & Messages
4. No Spam
5. You can also ask your difficulties here.

Just get learning resources & post learning resources.

Helpline number only WhatsApp: +91-95208-77777

Why Artham Resource Material?

Resource materials for teachers and students are essential tools for effective teaching and learning. They provide valuable information, guidance, and support to both teachers and students, making the teaching and learning process more efficient and productive.

For teachers, Artham resource materials include lesson plans, instructional guides, assessment tools, professional development materials, and teaching aids. These materials are well researched and created according to 2023-24 NEP and NCERT guidelines.

For students, resource materials can include textbooks, study guides, homework assignments, reference books, online learning platforms, and educational videos. These materials can be obtained from school libraries, educational publishers, online resources, and teachers.

Both teachers and students can also benefit from Artham educational resources which are free and openly licensed educational materials that can be used and shared for teaching and learning. Artham resource material include textbooks, courses, lesson plans, and multimedia resources that are available online.

In summary, resource materials are critical components of effective teaching and learning. They provide a wealth of information and support that can enhance the quality of education and help students achieve academic success.

Teachers and students can also purchase these resources from the links provided with every resource.

JOIN TELEGRAM GROUP/CHANNELS FOR CLASS WISE HIGH QUALITY RESOURCE MATERIAL

SOE CBSE Groups

- Click to Join CBSE Group...All classes
- Click to Join SOE CBSE Kindergarten Group
- Click to Join SOE CBSE Class 1 Group
- Click to Join SOE CBSE Class 2 Group
- Click to Join SOE CBSE Class 3 Group
- Click to Join SOE CBSE Class 4 Group
- Click to Join SOE CBSE Class 5 Group
- Click to Join SOE CBSE Class 6 Group
- Click to Join SOE CBSE Class 7 Group
- Click to Join SOE CBSE Class 8 Group
- Click to Join SOE CBSE Class 9 Group
- Click to Join SOE CBSE Class 10 Group
- Click to Join SOE CBSE Class 11 (Science) Group
- Click to Join SOE CBSE Class 11 (Commerce) Group
- Click to Join SOE CBSE Class 11 (Humanities) Group
- Click to Join SOE CBSE Class 12 (Science) Group
- Click to Join SOE CBSE Class 12(Commerce) Group

- Click to Join SOE CBSE Class 12 (Humanities) Group
- Click to Join SOE JEE/NEET Group
- Click to Join SOE CUET Group
- Click to Join SOE NDA, OLYMPIAD, NTSE Group
- Click to Join SOE School Principal Professional Development Group
- Click to Join SOE School Teacher Professional Development Group
- Click to Join SOE CBSE Project File Group for Class 9th to 12th All Subjects

SOE ICSE Groups

- Click to Join SOE ICSE Kindergarten Group
- Click to Join SOE ICSE Class 1 Group
- Click to Join SOE ICSE Class 2 Group
- Click to Join SOE ICSE Class 3 Group
- Click to Join SOE ICSE Class 4 Group
- Click to Join SOE ICSE Class 5 Group
- Click to Join SOE ICSE Class 6 Group
- Click to Join SOE ICSE Class 7 Group
- Click to Join SOE ICSE Class 8 Group
- Click to Join SOE ICSE Class 9 Group
- Click to Join SOE ICSE Class 10 Group
- Click to Join SOE ICSE Class 11 (Science) Group
- Click to Join SOE ICSE Class 11 (Commerce) Group
- Click to Join SOE ICSE Class 11 (Humanities) Group
- Click to Join SOE ICSE Class 12 (Science) Group
- Click to Join SOE ICSE Class 12(Commerce) Group
- Click to Join SOE ICSE Class 12 (Humanities) Group
- Click to Join SOE JEE/NEET Group
- Click to Join SOE CUET Group
- Click to Join SOE NDA, OLYMPIAD, NTSE Group
- Click to Join SOE School Principal Professional Development Group
- Click to Join SOE School Teacher Professional Development Group

Nageen CBSE Channels

- Click to Join Nageen CBSE Kindergarten Channel
- Click to Join Nageen CBSE Class 1 Channel
- Click to Join Nageen CBSE Class 2 Channel
- Click to Join Nageen CBSE Class 3 Channel
- Click to Join Nageen CBSE Class 4 Channel
- Click to Join Nageen CBSE Class 5 Channel
- Click to Join Nageen CBSE Class 6 Channel
- Click to Join Nageen CBSE Class 7 Channel
- Click to Join Nageen CBSE Class 8 Channel
- Click to Join Nageen CBSE Class 9 Channel
- Click to Join Nageen CBSE Class 10 Channel
- Click to Join Nageen CBSE Class 11 (Science) Channel
- Click to Join Nageen CBSE Class 11 (Humanities) Channel
- Click to Join Nageen CBSE Class 11 (Commerce) Channel
- Click to Join Nageen CBSE Class 12 (Science) Channel
- Click to Join Nageen CBSE Class 12 (Commerce) Channel
- Click to Join Nageen CBSE Class 12 (Humanities) Channel

- Click to Join JEE/NEET Channel
- Click to Join CUET Channel
- Click to Join NDA, OLYMPIAD, NTSE Channel

Nageen ICSE Channels

- Click to Join Nageen ICSE Kindergarten Channel
- Click to Join Nageen ICSE Class 1 Channel
- Click to Join Nageen ICSE Class 2 Channel
- Click to Join Nageen ICSE Class 3 Channel
- Click to Join Nageen ICSE Class 4 Channel
- Click to Join Nageen ICSE Class 5 Channel
- Click to Join Nageen ICSE Class 6 Channel
- Click to Join Nageen ICSE Class 7 Channel
- Click to Join Nageen ICSE Class 8 Channel
- Click to Join Nageen ICSE Class 9 Channel
- Click to Join Nageen ICSE Class 10 Channel
- Click to Join Nageen ICSE Class 11 (Science) Channel
- Click to Join Nageen ICSE Class 11 (Commerce) Channel
- Click to Join Nageen ICSE Class 11 (Humanities) Channel
- Click to Join Nageen ICSE Class 12 (Science) Channel
- Click to Join Nageen ICSE Class 12 (Commerce) Channel
- Click to Join Nageen ICSE Class 12 (Humanities) Channel
- Click to Join JEE/NEET Channel
- Click to Join CUET Channel
- Click to Join NDA, OLYMPIAD, NTSE Channel

Click here to subscribe to our YouTube Channel

Available Resources on YouTube

- Enjoy animated videos covering all subjects from Kindergarten to Class 12, making learning fun for students of all ages.
- Explore classroom teaching videos for grades 6 to 12, covering various subjects to enhance understanding and knowledge.
- Access the most important questions and previous year's question papers (PYQ) to excel in exams and assessments.
- Stay up-to-date with the latest CBSE Curriculum for 2023-24 with our videos aligned to the current syllabus.
- Get informed about CBSE updates and circulars through our dedicated videos.
- Improve pronunciation skills and expand vocabulary with our "Word of the Day" series and other language-related content and many more…….

Don't miss out on these valuable resources; subscribe to our channel now!